नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

मनोविज्ञान में बी. ए. आनर्स एवं एम. ए. की पढ़ाई प्रारम्भ
योग एवं स्वास्थ्य तथा परामर्श एवं निर्देशन अध्ययन में युवाओं का बढ़ा है रूझान
प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. अमित त्रिपाठी से चर्चा

वर्धा, 12 मई 2017: भारत में मनोविज्ञान के अध्ययन को हिंदी माध्यम से शुरू करने के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा स्नातक स्तर पर बी.ए.आनर्स पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं लब्धप्रतिष्ठित मनोवैज्ञानिक प्रो. गिरीश्वर मिश्र के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में मनोविज्ञान में एम.ए., एम. फिल. एवं पी-एच. डी. पाठ्यक्रम पहले से संचालित हैं। योग कर्मियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मनोविज्ञान विभाग ने योग एवं स्वास्थ्य अध्ययन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया है। इसी प्रकार

परामर्श एवं निर्देशन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम से सरकारी और निजी क्षेत्रों में परामर्शदाताओं की मांग की पूर्ति की जा रही है। यह बातें मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. अमित त्रिपाठी ने बतायी।

उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान विभाग चिन्तन की भारतीय परंपरा, समकालीन अकादमिक विमर्शों को लेकर सचेत है। जिसका प्रमाण यहाँ पर होने वाले शोध कार्यों में देखा जा सकता है। उदाहरण के लिए पिछले कुछ वर्षों में विभाग में सामाजिक उत्तरदायित्व, योग एवं स्वास्थ्य, गांधी चिन्तन परम्परा,आध्यात्मिकता, किशोर एवं युवाओं की

समस्या जैसे विषयों पर शोध कार्य किये गये हैं। विभाग की गतिविधियों को लेकर उनका कहना है कि विभाग हर वर्ष विद्यार्थियों को भारत के मनोवैज्ञानिकों से संवाद करने का अवसर उपलब्ध कराता है । समय-समय पर भारत के ख्यातीलब्ध मनोवैज्ञानिकों जैसे प्रो.आनन्द प्रकाश, प्रो.के.एन. त्रिपाठी, प्रो. उदय जैन, प्रो. एस. एन. चौधरी और डॉ. जितेन्द्र कुमार को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाता है। विद्यार्थियों को क्षेत्र कार्य के लिए वर्धा और आस-पास के गांवों में भेजा जाता है ताकि वे समाज का मनोवैज्ञानिक विकास एवं समस्याओं पर विश्लेषण कर सके। उन्होंने कहा कि इस वर्ष परामर्श एवं निर्देशन के विद्यार्थी एच.आई.वी. एडस् पर विशेष प्रशिक्षण के कार्यक्रम हेतु जिला अस्पताल, वर्धा गये थे। मनोविज्ञान विभाग ने स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाये है और इसी उद्देश्य के अंतर्गत 'विद्यार्थियों की सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन में जिला प्रशासन की भूमिका एवं चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान के लिए वर्धा के जिलाधिकारी श्री शैलेश नवाल को आमंत्रित किया गया था। अपने व्याख्यान के दौरान जिलाधिकारी ने मनोविज्ञान विभाग की योजनाएं और उपक्रमों की सराहना की।

उनका मानना है कि मनोविज्ञान में बी.ए. आनर्स शुरू कर यह विभाग उन चुनिंदा संस्थानों में सम्मिलित हो जायेगा, जो स्नातक से परास्नातक तक मनोविज्ञान में अध्ययन का अवसर देते हैं। विभाग की स्थापना से यानी सन 2014 से विद्यार्थियों के विकास के लिए चलाई गई गतिविधियां एवं उपक्रमों को लेकर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने प्रसन्नता व्यक्त की है और डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी को आश्वस्त किया है कि विभाग की अकादमिक गतिविधियों के संचालन में उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा पूर्ण सहयोग मिलता रहेगा। उन्होंने आशा जतायी कि आने वाले वर्षों में मनोविज्ञान विभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण विभाग होगा और यहां के विद्यार्थी सामाजिक विकास के कार्यों में अग्रसर होंगे।